रजिस्टर्ड/सील्ड

उत्तर प्रदेश शासन

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2

संख्या-28/2019/518/22-2-2019-17(138)/2013

लखनऊ: दिनांक: 15 फरवरी, 2019

आदेश

उत्तर प्रदेश के श्री राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद-161 के अधीन शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय कारागार, आगरा में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी **ओमप्रकाश (बन्दी संख्या-16393) पुत्र श्री रजपाल सिंह**, जो-मंगटा, थाना-गजनेर, जनपद-कानपुर देहात का रहने वाला है, जिन्हें सत्र परीक्षण संख्या-265/1982 के अन्तर्गत भारतीय दण्ड संहिता की धारा-302/34 के अधीन दिनांक 07.07.1983 को मा0 अष्टम अपर सत्र न्यायाधीश, कानपुर देहात द्वारा आजीवन कारावास की सजा से दण्डित किया गया तथा बन्दी की आयु 70 वर्ष होने, बंदी द्वारा 22 वर्ष 09 माह 27 दिन अपरिहार एवं 30 वर्ष 00 माह 21 दिन की सपरिहार सजा काटने तथा संतोषजनक जेल आचरण के दृष्टिगत शेष सजा का परिहार करते है तथा यह आदेश देते है कि उक्त बंदी द्वारा अपनी शेष दण्डावधि में शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिये जिला मजिस्ट्रेट, कानपुर देहात के संतोषानुसार दो जमानतें तथा उतनी ही धनराशि का एक जाती मुचलका प्रस्तुत करने पर बन्दी को कारागार से मुक्त कर दिया जाय।

अमर सेन सिंह
विशेष सचिव।

संख्या-28/2019/518(1)/22-2-2018 तद्दिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- अपर पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक, कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें, उ0प्र0।
2- जिला मजिस्ट्रेट, कानपुर देहात।
3- पुलिस अधीक्षक, कानपुर देहात।
4- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, आगरा ।
5- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार विभाग, उ0 प्र0 को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।
6- कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-3, उत्तर प्रदेश शासन।
7- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

करूणेश कुमार सिंह
उप सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in